This question paper contains 4 printed pages.

8906

Your Roll No. ....

B.A. / III **AS**

(L)

PHILOSOPHY— Paper III (*i*)

(Elements of Indian Philosophy)

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

NOTE:— *The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the SOL / NCWEB / Non-Formal Cell. These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of Regular Colleges (Category 'A') at the time of posting of awards for compilation of result.*

टिप्पणी:— *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक SOL / NCWEB / Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों (श्रेणी A) के विद्यार्थियों के सम्बन्ध में उनके परिणाम के संकलन के लिये नियुक्त*

अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में, कम होंगे।

Attempt any five questions.
All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. What are the main tenets of Cārvāka Philosophy? How does it differ from other schools of Indian Philosophy?

   चार्वाक दर्शन के मुख्य सिद्धान्त क्या हैं? इसका भारतीय दर्शन की अन्य शाखाओं से क्या अन्तर है?

2. Discuss the Buddhist theory of Dependent Origination.

   बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

3. Give a critical account of the Jaina Theory of Syādvāda.

   जैन दर्शन के स्याद्वाद सिद्धान्त का आलोचनात्मक विवरण दीजिए।

4. Prakṛti is the root cause of this material world. Discuss it with reference to Sāmkhya.

   प्रकृति भौतिक जगत का मूल कारण है। सांख्य के संदर्भ में इसकी विवेचना कीजिए।

5. Discuss the Nyāya Theory of inference in detail.

न्याय के अनुमान सिद्धान्त की विस्तार से विवेचना कीजिए।

6. Explain Śaṁkara's Theory of Māyā and examine it in relation to Brahman.

शंकर के माया-सिद्धान्त का निरूपण कीजिए तथा ब्रह्म के साथ इसके संबंध की समीक्षा कीजिए।

7. Elucidate Śabdabodha according to Pūrva-Mīmānsā.

पूर्व-मीमांसा के अनुसार 'शब्द-बोध' सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

8. Explain the nature of Jīva and Jagat according to Rāmānuja.

रामानुज के अनुसार जीव एवं जगत् के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

9. Write short notes on any *two* of the following:

(*a*) Anekāntavāda

(*b*) Samavāya

(*c*) Four Noble Truths

(*d*) Plurality of Puruṣa.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

(*a*) अनेकान्तवाद

(*a*) समवाय

(*a*) चार आर्य सत्य

(*a*) पुरुष की अनेकता।